39 वर्षों से निरंतर

राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

# पाथेय कण

₹10

पौष कृ.1, वि.2081, युगाब्द 5126, 16 दिसम्बर, 2024

## बांग्लादेश में हमलों से

# सर्व हिंदू समाज आक्रोशित

www.patheykan.com

patheykan@gmail.com @patheykanofficial @patheykanofficial @patheyofficial1 @patheykan

Scanned with OKEN Scanner

**जयपुर**

सेवा सदन में राजस्थान क्षेत्र वैचारिक समूह की बैठक के दौरान संघ के अ.भा.प्रचार प्रमुख श्री सुनील आम्बेकर द्वारा विशेषांक का विमोचन। राजस्थान क्षेत्र कार्यवाह श्री जसवंत खत्री भी उपस्थित रहे।

**धौलपुर**

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुक्खो देवी रावत द्वारा विमोचन

**नीम का थाना**

कमला मोदी महाविद्यालय में विमोचन

**सादुलशहर, चूरू**

परिष्कार उच्च माध्यमिक विद्यालय में विमोचन

**टोंक**

कल्याण चिल्ड्रन एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, ककोड़ में विमोचन

**कुचामन सिटी**

स्वास्तिक भवन में आयोजित प्रबुद्धजन बैठक में वरिष्ठ प्रचारक श्री शांतिप्रसाद द्वारा

**बाड़मेर**

जिला स्तरीय 'मरु उड़ान' कार्यक्रम में विधायक प्रियंका चौधरी द्वारा विमोचन

**सूरतगढ़**

विभाग प्रचारक श्री रघुवीर और जिला प्रचारक जसराज जी द्वारा विमोचन

**नागौर**

सेठ किशनलाल कांकरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विमोचन

**पीपाड़**

पीएमश्री बालिका विद्यालय में विमोचन

विशेषांक के विमोचन संबंधी अन्य समाचार पृष्ठ 15 पर देखें

**पाथेय कण**

पौष कृष्ण 1 से
पौष शुक्ल 1 तक
विक्रम संवत 2081
युगाब्द 5126
16-31 दिसम्बर, 2024
वर्ष : 40 अंक : 17

सम्पादक : रामस्वरूप अग्रवाल
अतिथि सम्पादक : इंदुशेखर 'तत्पुरुष'
सह सम्पादक : मनोज गर्ग
प्रबंध सम्पादक : ओमप्रकाश
सह प्रबंध सम्पादक : श्याम सिंह
अक्षर संयोजन : कौशल रावत

**प्रबंधकीय कार्यालय**
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राजस्थान)
E-mail : patheykan@gmail.com

पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक: माणकचन्द

**सहयोग राशि**
एक वर्ष 150/-
पन्द्रह वर्ष 1500/-

पाथेय कण प्राप्त नहीं होने पर प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक संपर्क करें- 79765 82011 इसके अतिरिक्त समय में वाट्सएप व मैसेज करें अथवा ईमेल पर जानकारी दें। (अति आवश्यक होने पर मो.न. 9166983789 पर मोहित जी से संपर्क कर सकते हैं)



Scanned with OKEN Scanner

# संगठित सामाजिक शक्ति का परिणाम

मुहम्मद युनूस के सत्ता संभालने के बाद से बांग्लादेश के हिंदुओं पर अत्याचार की जो खबरें आ रही हैं वे भयावह हैं। उनको पढ़कर, देखकर हृदय विचलित हो उठता है। इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्णदास के साथ हुआ घटनाक्रम बांग्लादेशी सरकार और वहाँ के मुस्लिम समुदाय की मानसिकता को समझने का एक ज्वलंत उदाहरण है। चिन्मय कृष्ण को राजद्रोह के झूठे आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। इतना ही नहीं इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उनकी जमानत याचिका की पैरवी करने वाले वकील रमन रॉय पर घातक हमला कर दिया। घर पर तोड़फोड़ कर दी गई। रमन रॉय को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया। फिर जब 3 दिसम्बर को चिन्मय कृष्ण की जमानत याचिका पर सुनवाई का अवसर आया तो दहशत में भरे हुए वकीलों ने उनकी पैरवी करने से मना कर दिया। अब अगली सुनवाई 2 जनवरी, 2025 तारीख को होगी। चिन्मय कृष्ण तब तक, या पता नहीं कब तक, जेल में ही रहेंगे।

प्रख्यात बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने इस प्रकरण को लेकर बांग्लादेश की सरकार की कड़ी भर्त्सना की है। उन्होंने जो कहा है वह एक-एक शब्द आँखें खोल देने वाला है। वे लिखती हैं कि, *'जिस भारत के 17 हजार सैनिकों ने बांग्लादेश को उसके दुश्मन पाकिस्तान से बचाने के लिए अपनी जान गंवाई, वह अब दुश्मन माना जाता है। जिस भारत ने एक करोड़ शरणार्थियों को भोजन, कपड़े और रहने के लिए घर दिए, वह अब दुश्मन माना जाता है। जिस भारत ने देश को पाकिस्तानी सेना से बचाने के लिए हथियार और स्वतंत्रता सेनानियों को ट्रेनिंग दी, वह अब दुश्मन माना जाता है।'*

इसके आगे वह जो लिखती हैं वह बांग्लादेशी सरकार के माथे पर कलंक की तरह है। *'जिस पाकिस्तान ने 30 लाख लोगों की हत्या की और 2 लाख महिलाओं का रेप किया, वह अब कथित तौर पर दोस्त है। आतंकवादियों को पैदा करने में नंबर एक पर रहने वाला पाकिस्तान अब कथित तौर पर एक मित्र है।'* तसलीमा की नजर में बांग्ला देश **जिहादिस्तान** बन गया है।

किन्तु इस घटना का दूसरा पक्ष यह है कि भारत ही नहीं अब विश्वभर का हिंदू जाग्रत हो उठा है। उसने अपनी संगठित शक्ति को पहचानना शुरू कर दिया है। इसी का प्रभाव है कि ऐसे संकटकाल में जो हिंदू डरे अथवा सहमे रहते थे, वे भी अब बढ़-चढ़ कर हिंदू के पक्ष में बोलने लगे हैं। हिंदू अत्याचारों के विरोध में खड़े होने लगे हैं। हाल के वर्षों में भारत ने जिस निश्चय के साथ अपने माथे पर लगे सैंकड़ों वर्षों के अपमान चिह्नों को पौंछना शुरू कर दिया है, वह संसार को यह जताने के लिए पर्याप्त है कि हाँ! हाँ! हाँ!... यह हिंदू राष्ट्र है।

हम वर्षों से एक प्रश्न सुनते आ रहे थे कि विश्व के किसी कोने में यदि कहीं हिंदू प्रताड़ित होता है, किसी दमनचक्र में फँसता है, तो उसकी रक्षा में कौन आड़े आयेगा? उसके पक्ष में कौनसा देश निर्भय खड़ा रह सकेगा? उसके आंसुओं को कौन पौंछेगा? कौन उसकी निरापद शरणस्थली बन सकेगा?

यह अधिक नहीं, दशक भर पुरानी बात है कि संसार में फैले हुए करोड़ों लोग, जो भारत में अपनी जड़ों को देखते थे, इस प्रश्न का बेधड़क उत्तर देने में झिझकते थे। हमारी निर्बल और दब्बू सरकारें उन्हें निराश करती थीं। जबकि रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों के अवैध आगमन में भी कोई रोक-टोक नहीं थी।

सौभाग्य से आज उनके पास उनका मनचाहा उत्तर है....भारतवर्ष। हाँ! अपना भारतवर्ष।

भारत की यह चट्टानी दृढ़ता, विश्व के देशों से आँखें मिलाकर बात करने का साहस और अपने विरोधियों को नियंत्रण में करने की क्षमता हृदय में स्फूर्ति जगाती है। एक समर्थ सक्षम और शक्तिशाली राष्ट्र का अहसास कराती है। निश्चय ही यह हिंदुओं की संगठित सामाजिक शक्ति का परिणाम है।

यह इस संगठित शक्ति का ही ज्वलंत प्रमाण है कि विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली राष्ट्र के लोकप्रिय राजनेता डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दीपावली संदेश में बांग्लादेशी हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों पर खुलकर चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि,*'मैं बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं। भीड़ उन पर हमला कर रही है, लूटपाट कर रही है जो कि पूरी तरह से अराजकता की स्थिति है।'*

ट्रंप का यह संकल्प कि, *'हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म विरोधी एजेंडे के खिलाफ हिंदू अमेरिकियों की भी रक्षा करेंगे। हम आपकी आजादी के लिए लड़ेंगें। मेरे प्रशासन के तहत हम भारत और मेरे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी साझेदारी को भी मजबूत करेंगे'*- भारतीय विदेश नीति की ऐतिहासिक विजय है।

संभल हो या बांग्लादेश; फिर एक बार सत्य सिद्ध हुआ है कि हम एक हैं तो सेफ हैं। बटेंगे तो कटेंगे।

*-इंदुशेखर 'तत्पुरुष'*



Scanned with OKEN Scanner

# बांग्लादेश में हमलों से आक्रोशित सर्व हिंदू समाज

■ शिवेश प्रताप सिंह

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस, जिन्हें माइक्रोफाइनेंस के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, अब वैश्विक राजनीति में सर्वाधिक विवादास्पद व्यक्तित्व बन गए हैं। उन्होंने अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा का इस्तेमाल राजनीतिक हस्तक्षेप और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने के लिए किया। यूनुस अमेरिका, पश्चिमी देशों और पाकिस्तानी आईएसआई के समर्थन से प्रेरित होकर अपने ही देश की संप्रभुता पर आघात कर उसे बर्बादी की ओर धकेल रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद से ही बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी कृत्य किये जा रहे हैं। वे लगातार अपने भाषणों में भारत के खिलाफ तीखापन ला रहे हैं। साथ ही बांग्लादेश ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाया है। हद तो तब हो गई जब बांग्लादेश ने भारत से लगी सीमा पर तुर्की से बने बायरखतर टीबी2 ड्रोन तैनात किए हैं। ये वही ड्रोन हैं जिनकी मदद से 2021 में नोगोर्नो-काराबाख की लड़ाई में अजरबैजान ने अर्मेनियाई सेना को निर्णायक रूप से हराया था। भारत के लिए यह सब होना बेहद चिंतनीय है।

## इस्लामिक कट्टरता का कहर

आप विचार करिए की 1971 में, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बर्बाद और भूखे बांग्लादेश को सहयोग करने हेतु श्रील प्रभुपाद और उनके संस्था इस्कॉन ने नवनिर्मित बांग्लादेश के लोगों के लिए महत्वपूर्ण मानवीय और वित्तीय सहायता एकत्र की। यह धन उनके वैश्विक नेटवर्क, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोप में उनके अनुयायियों द्वारा और हिन्दू समाज द्वारा संगठित दान, चंदा और कार्यक्रमों के माध्यम से जुटाया गया था। आज से 50 वर्ष पहले जुटाई गई राशि लगभग 2.5 मिलियन डॉलर थी जिसकी आज के समय में कीमत लगभग 20 मिलियन डॉलर (169 करोड़ भारतीय रुपये) होंगे। लेकिन आज उसी संस्था इस्कॉन और उनके संतों पर बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरवादी सरकार एवं सेना द्वारा नृशंस अत्याचार किये जा रहे हैं। यह इस्लामिक कट्टरवाद की मानसिकता को समझाने में सहायक है।

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद से बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्णदास को झूठे केस बनाकर गिरफ्तार किया गया और उनके केस को अदालत में लड़ने के लिए बांग्लादेश में कोई वकील नहीं तैयार हो रहा है। एक भारतीय के रूप में आप सोचिये की पूरी दुनिया के सामने आतंकी हमला करने वाले इस्लामिक आतंकियों को हमारे देश में बिरयानी खिलाई जाती है, आधी रात में न्यायालय खोला जाता है।

उपद्रवी लगातार हिंदू प्रतिष्ठानों को टारगेट कर हमला कर रहे हैं। एक हमले में मेहरपुर के इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़ की गई और फिर मंदिर को आग के हवाले कर दिया गया। उसी दिन नमहट्टा के इस्कॉन सेंटर को भी निशाना बनाया गया, जहां श्री लक्ष्मीनारायण की मूर्तियाँ और मंदिर की सभी वस्तुएं जलकर खाक हो गईं। श्री राधाकृष्ण मंदिर और श्री महाभाग्य लक्ष्मीनारायण मंदिर में भी आग लगा दी। यूनुस सरकार और पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बनी हुई है। सेना भी मुस्लिम उपद्रवियों के साथ खड़ी दिख रही है। बांग्लादेश की सेना ने हाल ही पश्चिम बंगाल से सटे सीमा के पास रिनोवेट हो रहे हिंदू मंदिर में काम पर रोक लगा दी।

## हिंदू समुदाय पर 200 से अधिक हमले

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल के अनुसार, 5 से 20 अगस्त के बीच हिंदू समुदाय पर 200 से अधिक हमले हुए, जिनमें पांच हिंदू मारे गए और कई गंभीर रूप से घायल हुए। ये केवल दस्तावेजीकृत मामले हैं, जबकि कई अन्य हमले रिपोर्ट नहीं किए गए। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश ने कुल 2,010 हमलों की पुष्टि की है, जिसमें नौ हिंदू मारे गए। इसके अतिरिक्त, हिंदू पुलिसकर्मियों,



Scanned with OKEN Scanner

शिक्षकों और सरकारी अधिकारियों पर हमलों के कारण लगभग 500 हिंदू अधिकारियों को इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया।

5 से 20 अगस्त, 2024 के बीच 64 जिलों और 67 उपजिलों में प्रोथोम अलो संवाददाताओं द्वारा की गई जांच के अनुसार, 49 जिलों में अल्पसंख्यक समुदाय पर 1,068 हमले हुए।

## भारत सरकार का कड़ा रुख

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हमले और उत्पीड़न ने न केवल देश के अंदर बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी चिंता की लहर पैदा की है। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, और विभिन्न देशों के मानवाधिकार संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की है। भारत सरकार ने भी इन हमलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए बांग्लादेश सरकार से जवाब तलब किया। कई देशों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा की अपील की, जिससे यह साबित हुआ कि हिंदू समाज और भारत की स्थिति अब वैश्विक परिदृश्य में कितनी महत्वपूर्ण है।

इस घटना ने यह भी सिद्ध किया कि हिंदू समाज अब सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि दुनियाभर में एक संगठित और सशक्त समुदाय बन चुका है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा की निंदा करते हुए इसे 'निंदनीय' करार दिया और बांग्लादेश सरकार से मांग की कि वह अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा, 'हमेशा से भारत ने सभी धर्मों और समुदायों के प्रति सम्मान दिखाया है, और हम उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा पर त्वरित

कार्रवाई की जाएगी।'

## डोनाल्ड ट्रंप का ऐतिहासिक ट्वीट

अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हो रहे हमलों की निंदा की। एक सोशल मीडिया बयान में, उन्होंने इन हमलों को 'बर्बरता' करार दिया और कहा कि बांग्लादेश 'सम्पूर्ण अराजकता' की स्थिति में है। ट्रंप ने हिंदू, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों की चिंता व्यक्त की, जिन्हें हिंसा, लूटपाट और हमलावरों द्वारा निशाना बनाया जा रहा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह हिंदू अमेरिकियों को भी 'विरोधी-धार्मिक एजेंडे' से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ट्रंप का यह बयान कई हिंदू-अमेरिकी समूहों द्वारा सराहा गया, जिन्होंने बांग्लादेश में उत्पीड़ित समुदायों के प्रति उनके नैतिक स्पष्टता और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

हाल ही में ब्रिटिश संसद में भी बांग्लादेश में हिंसा की गूंज सुनाई दी। विपक्षी दल कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद हिंदुओं का सफाया (एथनिक क्लींजिग) करने की कोशिश हो रही है।

इसके अलावा, मानवाधिकार संगठनों जैसे 'ह्यूमन राइट्स वॉच' और 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने बांग्लादेश सरकार से अपील की कि वह धार्मिक हिंसा को तुरंत रोके और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे। 'ह्यूमन राइट्स वॉच' के एशिया डायरेक्टर, ब्रैड एडम्स ने कहा, 'बांग्लादेश सरकार को हिंसा की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी समुदायों को समान अधिकार मिलें।'

## संघ के नेतृत्व में हिंदू समाज का प्रखर विरोध

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर कड़ा रुख अपनाते हुए संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि केंद्र सरकार को हिंदुओं का उत्पीड़न रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। केंद्र सरकार को विश्व जनमत तैयार कर भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को रोकने के लिए उचित प्रयास करना चाहिए। साथ ही इसके लिए वैश्विक प्रभावी संगठनों की मदद लेनी चाहिए। संघ ने इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्णदास को तुरंत रिहा किए जाने की मांग की है। उन्होंने आगे कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं, महिलाओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्याएं, लूटपाट और आगजनी जैसी घटनाओं के साथ ही अमानवीय अत्याचार बेहद चिंताजनक हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी निंदा करता है।'

सरकार्यवाह जी के इस बयान ने देश के विपुल जनमानस को समवेत स्वर दिया और सम्पूर्ण देश में जगह-जगह बांग्लादेशी हिन्दुओं के समर्थन में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में राजस्थान सहित कई राज्यों में विरोध रैली निकाली गई। इन रैलियों में लाखों लोगों ने भाग लेकर बांग्लादेश सरकार के विरोध में आक्रोश प्रकट किया और हिंदू एकजुटता का प्रदर्शन किया।

*(लेखक भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता से शिक्षित व लोकनीति विश्लेषक हैं)*



Scanned with OKEN Scanner

# स्वस्थ विमर्श के लिए लोकमंथन जरूरी है : डॉ.भागवत

## भाग्यनगर में सम्पन्न हुआ चतुर्थ संस्करण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमारी संस्कृति समावेशी है। कोई हमारा शत्रु नहीं है। हम भी किसी के शत्रु नहीं हैं। सनातन जीवन मूल्यों को सदियों से जीने के चलते दुनिया के लोग आशाभरी नजरों से हमारी ओर देख रहे हैं। भारत इस दिशा में आगे बढ़ निकला है।

डॉ. भागवत ने यह भी कहा कि स्वस्थ विमर्श के लिए लोकमंथन जरूरी है। ऐसे कार्यक्रम गांवों और जंगलों में जाकर छोटे-छोटे समूहों के बीच कराने की जरूरत है। सबको साथ लेकर चलना होगा तभी हम भारत को फिर से विश्वगुरु का स्थान दिला पाएंगे।

डॉ. भागवत ने ये विचार लोकमंथन के चतुर्थ संस्करण में प्रकट किए जो बीती 21 से 24 नवम्बर तक भाग्यनगर हैदराबाद की हाईटेक सिटी स्थित शिल्पकला वेदिका के परिसर में आयोजित हुआ।

### सांस्कृतिक एकता का इंद्रधनुष

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, भारत की मजबूत सांस्कृतिक एकता इन्द्रधनुष की तरह बहुरंगी है, चाहे हम वनवासी, ग्रामवासी या नगरवासी हों, हम सभी भारतवासी हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत प्राचीन भारत से जुड़ी है।

उन्होंने कहा, हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा को तुच्छ दृष्टि से देखने वाले शासकों ने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की। ऐसी परंपराएं हम पर थोपी गई, जो हमारी एकता के लिए हानिकारक थीं। सदियों की परतंत्रता के कारण हमारे नागरिक गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गए। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना जगाना आवश्यक है।

देश की लोक परंपरा एवं देशज विज्ञान, कला, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण जैसे अनेक विषयों पर बहुस्तरीय चर्चा के लिए एक वैचारिक मंच है 'लोकमंथन'।

लोकमंथन का इस वर्ष का विषय था 'लोकावलोकनम्' यानी समग्र वैश्विक दृष्टिकोण। यह सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं को जोड़ने का एक उपक्रम है। इसकी शुरुआत वर्ष 2016 में भोपाल में की गई थी।

प्रज्ञा प्रवाह, प्रज्ञा भारती, संस्कार भारती, इतिहास संकलन समिति, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, भारतीय शिक्षण मंडल, विज्ञान भारती एवं अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के समवेत प्रयासों से हर दो वर्ष में आयोजित होता है।

### समाज में विभाजन कभी नहीं था

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोकमंथन भारत की प्राचीन परंपरा है। कांचीमठ के स्वामी जी सदियों पूर्व ऐसे वैश्विक आयोजन करते रहते थे, जहां अनेक देशों में धर्माचार्य आते और अपनी बात रखते थे। भारत इकलौता देश है कि यहां के शहरों, गांवों और जंगलों में रहने वाले लोगों के बीच आपस में कभी संघर्ष नहीं हुआ। यहां हमारे समाज में कभी विभाजन था ही नहीं। दुनिया में ऐसी समरसता का उदाहरण मिलना मुश्किल है।

**अयोध्या की सिद्धपीठ हनुमत् निवास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथलेशनंदिनीशरण** ने कहा कि हमारे देश में कुछ परंपराएं समय के साथ विकृत हो गई हैं हालांकि वे प्राचीन हैं, हम उन्हें अभी भी बनाए रखते हैं और उनका समर्थन करते हैं, मंथन इन कठोर परंपराओं को तोड़कर उन्हें तरल, कठोर और संवाद के लिए खुला बनाता है। यह संचार को सरल



Scanned with OKEN Scanner

## लिथुआनिया और भारत में हैं काफी समानता

लोकमंथन में यूरोप के एक देश लिथुआनिया से आए हुए लोग भी पहुंचे थे। लिथुआनिया में ज्यादातर लोग अब ईसाई हो चुके हैं, कुछ ही बचे हैं जो हिंदुओं की तरह अग्नि की उपासना करते हैं। उनकी परंपराएं हिंदुओं जैसी ही है।

उनके मंत्र संस्कृत की तरह लिथुआनिया भाषा में थे, जिनके माध्यम से सूर्य की उपासना की गई। उनका उद्देश्य अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को साझा करना था। उन्होंने बताया अग्नि अनुष्ठान हमारे रीति-रिवाजों के केन्द्र में हैं। चाहे वह विवाह हो, शिशु आशीर्वाद समारोह हो, या हमारे कैलेंडर त्योहारों में से कोई हो, अग्नि की मुख्य भूमिका रहती है। लिथुआनियाई और संस्कृत में कई शब्द काफी समान हैं।

बनाता है और व्यक्तियों के बीच समझ को बढ़ावा देता है।

### लोक निर्मल मौलिकता है

प्रज्ञा प्रवाह के अ.भा.संयोजक जे. नंदकुमार ने कहा कि लोक का मतलब हम भारत के लोग अर्थात् 'वी द पीपुल ऑफ इण्डिया' है। लोक निर्मल मौलिकता है। यह लोकमंथन उस लोक के प्रतिनिधियों, विचारकों व व्यावहारिक स्तर पर कार्य करने वाले अनुभवी लोगों का विचार मंथन है।

पर्यावरण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक श्री गोपाल आर्य ने भारतीय लोक चेतना में पर्यावरण विषय पर आयोजित सत्र में कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को देवतुल्य माना गया है, पर्यावरण संरक्षण हमारी परंपरा और दायित्व का हिस्सा है। यह एक जनआंदोलन बनना चाहिए, जहां हर व्यक्ति विशेष रूप से महिलाएं सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि परंपराएं हमें यह सिखाती हैं कि प्रकृति के साथ तालमेल ही जीवन का आधार है।

### पुस्तक विमोचन

सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति महोदया ने प्रज्ञा प्रवाह द्वारा संकलित पुस्तक ''लोक अवलोकन'' का विमोचन भी किया।

चार दिनों तक चले इस लोककला महासंगम में देश के लगभग सभी राज्यों व 13 देशों के 1502 प्रतिनिधियों द्वारा कला-संस्कृति एवं विविध समसामयिक विषयों पर मंथन किया गया। कुल 150 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 1500 से अधिक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी और अपनी उत्कृष्ट कलाओं का प्रदर्शन किया।

इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 2 लाख से अधिक विजिटर्स आए, जिसमें हैदराबाद के स्थानीय लोगों सहित तीन सौ से अधिक स्कूल-कॉलेज के छात्र भी शामिल थे। देश भर में 200 से अधिक प्री-लोकमंथन इवेंट हुए जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। (मनोज गर्ग)

## आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान् धन्वन्तरि

■ इंदुशेखर 'तत्पुरुष'

समुद्र मंथन से प्रकट हुए चौदह रत्नों में से एक भगवान् धन्वन्तरि हैं जो अमृतकलश लेकर उत्पन्न हुए थे। यह अमृतपान कर देवगण अजर-अमर हो गए। प्राणीमात्र के कल्याण के लिए धन्वन्तरि ने पुन: भूलोक पर जन्म लेकर आयुर्वेद का ज्ञान प्रकाशित किया। धन्वन्तरि ने यह ज्ञान देवराज इन्द्र से तथा इन्द्र ने देवताओं के चिकित्सक अश्विनीकुमारों से प्राप्त किया। अत: धन्वन्तरि को आयुर्वेद का प्रवर्तक कहा जाता है। इस हेतु इन्होंने काशीराज धन्व के पुत्र दिवोदास के रूप में जन्म लिया और दिवोदास धन्वन्तरि के नाम से प्रसिद्ध हुए। शल्यतन्त्र का महान आचार्य सुश्रुत इन्हीं का शिष्य था जिसने 'सुश्रुत संहिता' लिखकर इस ज्ञान को पूरे संसार में फैलाया। सुश्रुत संहिता मूलत: धन्वन्तरि के उपदेश हैं जो उन्होंने अपने शिष्य सुश्रुत को दिए। इस प्रकार देवलोक का चिकित्सा विज्ञान पृथ्वीलोक पर लाने वाले धन्वन्तरि भगवान विष्णु के चौबीस अवतारों में गिने गए और पूजनीय हुए।

धन्वन्तरि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को प्रकट हुए थे। अत: यह दिवस धन्वन्तरि त्रयोदशी पर्व के रूप में मनाया जाता था। कालांतर में लोक में धन्वन्तरि तेरस ही धनतेरस कहा जाने लगा। इसका भावार्थ यह है कि उत्तम स्वास्थ्य और निरोगी जीवन ही सबसे बड़ा धन है। लक्ष्मी और कुबेर के पूजन से पहले धन्वन्तरि के पूजन का यही मूल संदेश है। उल्लेखनीय है कि सन् 2016 से भारत सरकार के आयुष विभाग ने इस दिवस को 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' घोषित कर आयुर्वेद के साथ भगवान धन्वन्तरि के गौरव को भी पुन: प्रतिष्ठित करने का संकल्प किया है।

*- लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं*



Scanned with OKEN Scanner

# भारतीय इतिहास का गौरवशाली पृष्ठ महाराजा सूरजमल

■ हरिशंकर गोयल 'श्री हरि'

महाराजा सूरजमल न केवल धीर, गंभीर , परमवीर योद्धा थे अपितु श्रेष्ठ रणनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शी, चतुर और उदार व्यक्तित्व के धनी थे । 13 फरवरी, 1707 को इनका जन्म हुआ और 25 दिसम्बर , 1763 को ये स्वर्गवासी हो गये। इतनी कम उम्र में इन्होंने जितनी उपलब्धियां अर्जित की थीं वे अद्भुत हैं, अवर्णनीय हैं।

सूरजमल जब केवल 25-26 वर्ष के थे तब इन्होंने 'सोघर का युद्ध' जीत लिया था और भरतपुर के किले का निर्माण करवाना प्रारंभ कर दिया । यह किला भरतपुर के 'लोहागढ़' के नाम से जाना जाता है जिसे तत्कालीन तीन बड़ी शक्तियां मुगल, मराठे और अंग्रेज भी विजित नहीं कर सके थे इसलिए 'लोहागढ़' को अजेय दुर्ग कहा जाता है ।

सूरजमल ने भरतपुर की छोटी सी रियासत को आगरा , दिल्ली के आसपास का क्षेत्र , अलीगढ़, फिरोजाबाद, एटा , गुड़गांव, रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, मेवात , फरीदाबाद तक विस्तृत कर लिया ।

जयपुर के राजा जयसिंह की मृत्यु होने के बाद उनके दो पुत्र ईश्वरी सिंह और माधो सिंह में उत्तराधिकार का युद्ध प्रारम्भ हो गया । महाराजा सूरजमल ने ईश्वरी सिंह का पक्ष लिया। माधो सिंह ने मराठों , चौहानों, हाड़ा राजा , उदयपुर के महाराणा समेत 7 राज्यों की सेना एकत्रित की और जयपुर पर चढ़ाई कर दी। 1748 में जयपुर और भरतपुर की सम्मिलित सेना ने उक्त 7 राज्यों की सेना को बगरू के युद्ध में पराजित कर ईश्वरी सिंह को जयपुर की गद्दी पर स्थापित कर दिया । इस विजय से महाराजा सूरजमल का डंका पूरे भारत में बजने लगा ।

सन् 1750 ईस्वी तक दिल्ली में मुगल साम्राज्य बहुत कमजोर हो चुका था। 1748 में मुहम्मद शाह रंगीला की मृत्यु हो चुकी थी और उसके उत्तराधिकारियों में निरंतर युद्ध हो रहा था। महाराजा सूरजमल ने अवध के नवाब से मिलकर मुगल सेना पर आक्रमण कर दिया और मुगल सेना को परास्त कर दिया। इससे भी महाराज सूरजमल की ख्याति चारों ओर फैल गई।

मुगल सेना की पराजय को मुगल शासक पचा नहीं पाये और उन्होंने मराठों से संधि कर ली। तब मराठा सरदार मल्हार राव होलकर ने कुम्हेर के दुर्ग को चारों ओर से घेर लिया। मराठों की एक विशाल सेना सूरजमल की रणनीतिक कुशलता के कारण कुम्हेर को विजित नहीं कर सकी। सिंधिया के हस्तक्षेप से मराठों और सूरजमल के मध्य संधि हुई। इससे मराठों की ख्याति को बहुत नुकसान हुआ और सूरजमल की ख्याति एक कुशल शासक के रूप में स्थापित हो गई ।

मई 1754 में महाराजा सूरजमल ने मुगलों द्वारा शासित दिल्ली पर आक्रमण कर दिया और लगभग 1 महीने तक दिल्ली को लूटा। इस लूट में उन्हें अथाह धन हाथ लगा जिससे जन कल्याण के कार्य करवाए गए । इस घटना से मुगल शासकों की क्षीण शक्ति का पता सबको लग गया।

सन् 1761 में पानीपत का तृतीय युद्ध लड़ा गया जो अहमद शाह अब्दाली और मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ के मध्य लड़ा गया था। दिल्ली के मुगल शासक ने अब्दाली को भारत को लूटने के लिए आमंत्रित किया था जिसे रोकने के लिए मराठे पानीपत तक आ धमके थे। कहते हैं कि मराठा सदाशिवराव भाऊ को अपनी सैन्य ताकत पर बहुत अभिमान था और उसने सूरजमल के सुझावों पर कोई ध्यान नहीं दिया इसलिए सूरजमल इस युद्ध से अलग रहे। युद्ध में मराठों की बुरी तरह हार हुई लेकिन सूरजमल ने अपने क्षेत्र में से लौटते हुए मराठा सैनिकों के साथ बहुत उदारता पूर्वक व्यवहार किया। सर्दी में कांपते मराठा सैनिकों को गर्म कपड़े दिलवाये और लगभग 6 महीने तक उन्हें भोजन उपलब्ध करवाया। पानीपत की पराजय ने मराठों की शक्ति को छिन्न भिन्न कर दिया ।

सन् 1763 में दिल्ली के साथ युद्ध करते समय धोखे से सूरजमल का वध कर दिया गया।

इसका बदला लेने के लिए सूरजमल के पुत्र जवाहर सिंह ने दिल्ली पर आक्रमण कर दिया और दिल्ली को पराजित किया। जवाहर सिंह दिल्ली से मुगलों का सिंहासन और लाल किले का द्वार उखाड़ लाए । यह द्वार पहले चित्तौड़गढ़ किले का था। सन 1303 में महारानी पद्मिनी के जौहर में आत्मोसर्ग करने के कारण अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ में भयानक नरसंहार किया और किले का द्वार उखाड़ कर दिल्ली ले आया तथा उसे लाल किला में लगवा दिया। जवाहर सिंह ने उस द्वार को लाल किले से उखाड़ कर भरतपुर में लगवा कर उस अपमान का प्रतिशोध ले लिया। महाराजा सूरजमल की उपलब्धियों की सूची बहुत लंबी है। भारत के ऐसे सच्चे वीर सपूत को उनकी पुण्यतिथि 25 दिसम्बर पर शत शत नमन!

*- लेखक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।*



Scanned with OKEN Scanner

## महिलाओं की सुरक्षा समाज की नैतिक जिम्मेदारी

■ डॉ. सौम्या गुर्जर

बदलते समय के साथ, महिलाओं की भूमिका और महत्व समाज में पहले से कहीं अधिक बढ़ गए हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम छू रही हैं, चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान हो, खेल हो या राजनीति। लेकिन इसके बावजूद, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का विषय आज भी चुनौती बना हुआ है। यह हमारा दायित्व है कि हम ऐसा माहौल तैयार करें जहां महिलाएं बिना किसी डर और असुरक्षा की भावना के अपने सपनों को साकार कर सकें। महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा का भाव एक सभ्य समाज की पहचान होती है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पहल करते हुए जयपुर में ''शक्ति वंदन 2.0'' का आयोजन हुआ। इसके तहत, विषय विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं व लड़कियों को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण कौशल सिखाए गए। यह पहल न केवल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाती है बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी करती है। भारत सरकार ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', और 'महिला हेल्पलाइन' जैसे अभियानों से महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। मेरा मानना है कि समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी से ही हम महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बना सकते हैं। माता-पिता से लेकर शिक्षकों और हम सभी का कर्तव्य है कि हम बेटों और बेटियों, दोनों में समानता और सम्मान के मूल्य उत्पन्न करें। एक सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को, बल्कि पूरे समाज को सशक्त बनाती है। हमें अपनी रूढ़िवादी सोच और दृष्टिकोण को बदलना होगा ताकि हम ऐसे समाज का निर्माण कर सकें जिसका सपना हम सभी ने देखा है।

- लेखिका वर्तमान में जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) की मेयर हैं।

## महिला या बाल उत्पीड़न होने पर फोन करें 181 या 1090 पर

किसी महिला या बालक-बालिका के साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न होने पर नं.181 या 1090 पर फोन करें ताकि आवश्यक कार्रवाई व समाधान किया जा सके। राजस्थान सरकार ने महिलाओं के मान-सम्मान की रक्षा के लिए यह जानकारी प्रसारित की है। ग्रेटर जयपुर की मेयर डॉ.सौम्या गुर्जर ने बताया कि जयपुर शहर के कॉलेजों में सेनेटरी नेपकिन डिसपेंसर लगाए जा रहे हैं।

## मारवाड़ का अर्द्धकुंभ

# सुंईया पौष मेला

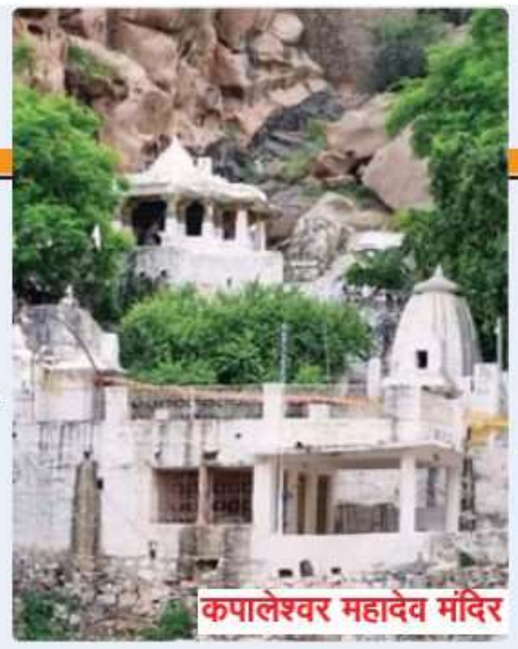

कपालेश्वर महादेव मंदिर

राजस्थान के मरू क्षेत्र में अर्द्ध कुंभ के नाम से विख्यात सुंईया पौष (पौषण) मेला आगामी 30 दिसम्बर को आयोजित हो रहा है। बाड़मेर जिले के चौहटन में आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय मेला मारवाड़ में लगने वाला सबसे बड़ा मेला है। इस प्राचीन मेले में प्रदेश के ही नहीं देशभर के श्रद्धालु स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। यह मेला विशेष संयोग होने पर ही आयोजित होता है। इसके लिए पांच योगों का एक साथ होना आवश्यक है। ये पांच हैं- पौष महीना, अमावस्या, सोमवार, व्यतिपात योग और मूल नक्षत्र। सुंईया नामक एक भक्त के नाम पर इसका नाम 'सुंईया' रखा गया है। एक मान्यता के अनुसार यह स्थान पांडवों की तपोभूमि रहा है।

इस सुखद संयोग का लाभ लेते हुए श्रद्धालु कपालेश्वर महादेव मंदिर, विष्णु पगलिया, धर्मराज बेरी एवं डूंगरपुरी मठ आदि का दर्शन कर अपने आपको सौभाग्यशाली मानते हैं। यहां धर्मराज की बेरी, सुंईया, कपालेश्वर, विष्णु पगलिया झरने वर्ष भर बहते रहते हैं जिनमें स्नान करना शुभ माना जाता है। वर्तमान समय में श्रद्धालुओं के बढ़ती संख्या को देखते हुए स्नान के लिए निकट तलहटी स्थित इन्द्रभाण तालाब में श्रद्धालु शुभ योग में स्नान कर शिव का जलाभिषेक करते हैं। कपालेश्वर मंदिर कब किसके द्वारा बनाया गया इसकी पूरी जानकारी तो नहीं है किन्तु यहां हुए जीर्णोद्धार (करीब 900 साल पहले)के शिलालेख मंदिर पर लगे हुए हैं, जो मंदिर की प्राचीनता के प्रमाण हैं। यहीं पर स्थित विष्णु पगलिया धाम इसी के समकालीन बताया जाता है।

मेले का आयोजन श्री डूंगरपुरी मठ के 12वें महंत जगदीशपुरी जी महाराज के सान्निध्य में हो रहा है। मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के दाएं कंधे पर 'मरू कुंभ' की छाप लगाना यहां की अनोखी परम्परा व विशेषता है।

मारवाड़ क्षेत्र के लोगों की आस्था और विश्वास का प्रतीक सुंईया कुंभ ठीक से सम्पन्न हो इसके लिए स्थानीय प्रशासन, मेला आयोजन समिति, विविध सामाजिक संगठन संयुक्त रूप से मिलकर आवश्यक जरूरतों की व्यवस्थाओं को पूर्ण कर रहे हैं। बिना सूचना के लाखों लोगों का कुंभ स्थल पर पहुंचना और स्वत: ही स्नान कर लौट जाना भारतीय जनमानस की नागरिक शिष्टाचार, एकात्मकता और सामाजिक समरसता का प्रमाण है।

इसी को लेकर मठ में बीती 22 नवम्बर को महंत जगदीशपुरी जी महाराज के सान्निध्य में मेले के पोस्टर, बैनर और मेला नक्शा का विमोचन किया गया। इस बार 12 से 15 लाख श्रद्धालुओं के मेले में आने का अनुमान है।

*-चंपालाल गुसा, चौहटन,बाड़मेर*



Scanned with OKEN Scanner

# जनजाति क्षेत्रों में बढ़ते गिरजाघर एक गंभीर चुनौती

ईसाई मिशनरी स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार आदि के माध्यम से या कहें कि इनका लालच देकर भोले-भाले वनवासियों का मतांतरण कराने में लगे हुए हैं।

राजस्थान के जनजाति बहुल बांसवाड़ा, डूंगरपुर और उदयपुर जिलों में बड़े स्तर पर हो रहे मतांतरण के चलते इन जनजाति क्षेत्रों में बढ़ते गिरजाघर एक गंभीर चुनौती सिद्ध हो रहे हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की 6.85 करोड़ आबादी में से 0.14 फीसदी ईसाई थी। यानी एक लाख से भी कम। बांसवाड़ा समेत राजस्थान के जनजाति बहुल आठ जिलों में आदिवासियों की आबादी 45 लाख है। अकेले 1,532 गांवों वाले बांसवाड़ा जिले में ही ईसाई बन चुके आदिवासियों की संख्या एक लाख से ज्यादा बताई जा रही है।

इसी तरह उदयपुर और डूंगरपुर जिलों में भी हाल के वर्षों में करीब 1 लाख से अधिक वनवासियों को मतांतरिक कर ईसाई बनाया गया। उदयपुर जिले के कोटड़ा, झाड़ोल और फलासिया, डूंगरपुर जिले के चौरासी और बिछीवाड़ा, बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़, सज्जनगढ़, गढ़ी, बागीदौरा और प्रतापगढ़ जिले के धरियावद गांवों में मतांतरण के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

एक दशक पहले तक इन तीन जिलों में 40-50 गिरजाघर थे। आज इनकी संख्या 250 से भी ज्यादा हो गई है और कई नए गिरजे बन रहे हैं। इसे लेकर सामाजिक तनाव की भी स्थितियां बन रही हैं। पिछले दिनों बांसवाड़ा जिले की सात पंचायतों में सरपंच भी मतांतरित ईसाई चुने गए हैं।

एक शोध के अनुसार, पूरे देश में करीब 5.33 फीसदी जनजाति आबादी ने अपना मत बदला है। जनजाति क्षेत्र के गांवों में हाल ही में बने चर्च और वनवासियों के घरों के सामने लगाए गए क्रॉस के निशान मतांतरण की पुष्टि करते नजर आते हैं।

बांसवाडा जिले के महूड़ी गांव में बना गिरजाघर

## लव-जिहाद पर लग सकेगी लगाम

नये कानून के आने पर लव-जिहाद जैसे मामलों पर भी कानूनी शिंकजा कसा जा सकेगा। बहला-फुसलाकर, जबरन या पैसा देकर शादी करने पर फैमिली कोर्ट ऐसी शादी को रद्द कर सकेगा, पीड़ित महिला यदि नाबालिग हो तो सजा 2 से 10 साल तक होगी। इसके अलावा 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगेगा। एक से अधिक बार अपराध करने वालों को दो गुना तक सजा का प्रावधान है।

कुछ साल पहले तक चर्च में प्रार्थना और अन्य धार्मिक अनुष्ठान के लिए बाहर के पादरी आते थे। लेकिन अब बड़ी संख्या में स्थानीय युवक पादरी बन रहे हैं। स्थानीय युवकों को झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों में एक से तीन साल के प्रशिक्षण के बाद पादरी का काम सौंपा जाता है। उन्हें यीशु के पद-चिह्नों पर चलने की शपथ दिलाई जाती है।

धर्म बदलने के साथ ही वनवासी पिछले कुछ अरसे से अपने पारंपरिक नाम-उपनाम भी बदल रहे हैं। पहले अपने नाम के आगे डामोर, गरासिया, भील, पारगी, खैर, रोत, परमार जैसे सरनेम लगाते थे। अब जोसफ, योहान, मतियास, सायमन और मैथ्यू जैसे सरनेम लगाने लगे हैं।

### कानून की है तैयारी

राजस्थान सरकार भी जल्द ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात की तर्ज पर मतांतरण रोकने के लिए कानून बनाने जा रही है। राजस्थान में 2006 में भाजपा सरकार द्वारा धर्म स्वातंत्र्य विधेयक बनाया गया था, मगर किसी कारण वह लागू नहीं हो पाया था।

बनने वाले नये कानून के अनुसार बहला-फुसलाकर या लालच देकर पहली बार मतांतरण कराए जाने पर 1 से 5 साल की सजा। नाबालिग, महिला, सामूहिक, दलित या आदिवासी का जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर 3 से 10 साल की सजा का प्रावधान रखा गया है। एक से ज्यादा बार अपराध करने वालों को दो गुना तक सजा हो सकेगी। अवैध मतांतरण रोकने के लिए लाए जा रहे 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलीजन बिल-2024' में ये प्रावधान शामिल होंगे जिसका प्रारूप कैबिनेट ने मंजूर कर दिया है।

सरकार का कहना है कि इसके अंतर्गत दर्ज होने वाले अपराधों को गैर-जमानती व संज्ञेय अपराध घोषित किया जाएगा। ■ *(पाथेय डेस्क)*



Scanned with OKEN Scanner

*लखनऊ में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का शुभारम्भ*

# अहिल्याबाई का जीवन सबके लिए प्रेरणादाई : आलोक कुमार

लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन सबके लिए प्रेरणादाई है। उनका पराक्रम अद्भुत था। वह कुशल रणनीतिकार, पराक्रमशीलता व युद्ध कला में प्रवीण थी। यह कहना है संघ के सह सरकार्यवाह श्री आलोक कुमार का।

वे बीते 24 नवम्बर को लखनऊ में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का उद्घाटन कर रहे थे। सह सरकार्यवाह जी ने कहा कि अहिल्याबाई सती प्रथा की विरोधी थी। वह त्याग की प्रतिमूर्ति थी। उन्होंने साड़ी का उद्योग महेश्वर में शुरू कराया। युद्ध में जो सैनिक बलिदान हो जाते थे उनकी विधवा महिलाओं के लिए रोजगार का सृजन किया। उन्होंने सिंचाई के संसाधन विकसित किए और उपज बढ़ाने के लिए काम किया। अहिल्याबाई होलकर ने राजस्थान से पत्थर काटकर मंदिर बनाने वालों को लाकर बसाया और उनको भूमि दी। उनका चरित्र विशिष्ट था और दूरदर्शी सोच वाली महिला थी। उस समय युद्ध के दौरान बलिदान हो जाने वाले सैनिक के आश्रितों को एकमुश्त राशि देने और पेंशन देने की योजना शुरू की।

आलोक कुमार ने कहा कि जिस समय पश्चिम सोच भी नहीं सकता था उस समय

भारत में अहिल्याबाई, लक्ष्मीबाई और दुर्गावती जैसी महान वीरांगनाएं थी।

**सामाजिक समरसता का श्रेष्ठ उदाहरण था उनका जीवन :** लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति की राष्ट्रीय सचिव डॉ. माला ठाकुर ने कहा कि आज जब समाज को कुछ लोग जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने का काम कर रहे थे वहीं उस काल खंड में अहिल्याबाई न सिर्फ समाज की दशा और दिशा निर्धारण का काम कर रही थी बल्कि वह सामाजिक समर्थन का उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही थी। लोकमाता जब भोजन करती थी तो वह समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ बैठकर एक साथ एक पंक्ति में भोजन करती थी। उनके समय किसी के साथ कभी जाति के आधार पर भेदभाव नहीं हुआ। इससे बड़ा सामाजिक समरसता का कोई उदहारण नहीं मिलता। आज यह भारत जागरण का समय है, जहां हमें कुरीतियों से बाहर निकलकर सामाजिक समरसता के माध्यम से संगठित होना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए होलकर वंशज श्री उदयराजे होलकर ने कहा कि उनके जीवन मे समरसता का भाव था। अहिल्याबाई ने महेश्वर राज्य की सीमा को लांघते हुए पूरे देश में काम किया। समिति के माध्यम से अहिल्याबाई के जीवन को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है।

**अहिल्याबाई की वेशभूषा में बहनों ने की सहभागिता :** उदघाटन समारोह में लोकमाता अहिल्याबाई की वेशभूषा धारण कर हाथ में शिवलिंग,माथे पर त्रिपुंड व सिर पर साफा बांधे 300 से अधिक बहनें उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों ने 'समरसता पाथेय' और 'अहिल्याबाई होलकर' पुस्तक का भी विमोचन किया। अहिल्याबाई होलकर पुस्तक गरिमा मिश्रा ने लिखी है। 'समरसता पाथेय' का संपादन अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति के सदस्य श्री बृजनंदन राजू ने किया है।

लोकमाता अहिल्याबाई की वेशभूषा पहने समारोह में उपस्थित मातृशक्ति



Scanned with OKEN Scanner

### महाराष्ट्र के सौंदाला गांव की अनुकरणीय पहल

# महिलाओं के लिए अब अपशब्दों का प्रयोग होगा वर्जित

महाराष्ट्र के अहिल्या नगर जिले के सौंदाला गांव ने महिलाओं के सम्मान की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए अपशब्दों के प्रयोग पर सदा के लिए रोक लगा दी है। कोई व्यक्ति यदि अपशब्दों का प्रयोग करता पाया गया तो 500 रुपए जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। ग्राम पंचायत के सरपंच श्री शरद अरगड़े ने बताया कि महिलाओं की गरिमा व सम्मान को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि पंचायत द्वारा पहले से विधवा महिलाओं से जुड़े प्रतिगामी रीति-रिवाजों पर प्रतिबंध है तथा सामाजिक व धार्मिक अनुष्ठानों में उनकी बराबर की सहभागिता रहती है। करीब 1800 की आबादी वाले इस गांव को वर्ष 2007 में विवाद-मुक्त गांव होने का राज्य स्तरीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

### घुसपैठियों को किया देश से बाहर

# फर्जी दस्तावेज से दो फ्लैट करा लिए थे आवंटित

जयपुर के भांकरोटा में अवैध रूप से रहने वाले 11 बांग्लादेशियों को बीती 24 नवम्बर को देश से बाहर करते हुए बांग्लादेश को सौंप दिया गया है। पहले उन्हें हिरासत में लेकर अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर में भेज दिया गया।

अन्य दो घुसपैठिए सोहाग खान और उसकी बहिन ने भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस व पैन कार्ड तक बनवा लिए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर जेडीए से दो फ्लैट भी आवंटित करा लिए थे। अब राजस्थान की भाजपा सरकार ने फ्लैट आवंटन निरस्त करते हुए इन दोनों को गिरफ्तार कर जेल में भिजवा दिया है।

जिन सरकारी अधिकारियों या व्यक्तियों ने इन घुसपैठियों के दस्तावेज बनाए हैं, उनकी पहचान करते हुए सरकार को उनके विरुद्ध भी कार्रवाई करनी चाहिए।

# जयपुर में होगा 'द ढूंढाड़ टॉक्स' का आयोजन

'राष्ट्र हितं मम कर्तव्यं' अर्थात् राष्ट्रहित में मेरा कर्त्तव्य क्या है इसी को लेकर जयपुर में आयोजित होगा 'द ढूंढाड़ टॉक्स'। यह कार्यक्रम आगामी 17-18 जनवरी, 2025 को सीतापुरा स्थित पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में आयोजित होगा। संघ के सांगानेर महानगर संघचालक श्री आशीष गुप्ता ने बताया कि युवा पीढ़ी भारत के 'स्व' को जाने और उसका गौरव अनुभव करे। इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया जा रहा है।

कार्यक्रम में देशभर के ख्यातनाम लेखक, पत्रकार, वक्ता, समाजसेवी, अधिवक्ता व कलाकार दो दिनों तक विविध सत्रों के माध्यम से वैचारिक मंथन करेंगे। इसी को लेकर बीती 5 दिसम्बर को जयपुर में कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

# 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाया जाएगा रामलला का प्राण प्रतिष्ठा दिवस

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की बैठक में प्राण प्रतिष्ठा दिवस को हर वर्ष प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। यह बैठक बीती 25 नवम्बर को अयोध्या स्थित मणिराम दास छावनी में हुई थी। प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को प्रति वर्ष पंचांग अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी अर्थात् कूर्म द्वादशी को मनाया जायेगा। 2025 में यह तिथि 11 जनवरी को होगी।

# सहकार भारती का राष्ट्रीय अधिवेशन

सहकार भारती का तीन दिवसीय 8वां राष्ट्रीय अधिवेशन बीते दिनों अमृतसर में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले द्वारा सम्बोधित किया गया।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ.उदय जोशी उपस्थित थे। इस अवसर पर सहकार भारती द्वारा इफको के प्रबंध निदेशक डॉ.उदयशंकर अवस्थी को 'फर्टिलाइजर मैन ऑफ द इंडिया' सम्मान से सम्मानित किया गया।



Scanned with OKEN Scanner

## राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट

# प्रधानमंत्री मोदी ने कहा : चुनौतियों से टकराने का नाम है राजस्थान

बीते 9 दिसम्बर को जयपुर में राइजिंग राजस्थान समिट का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजस्थान के लोगों का दिल बड़ा है। यहां के लोगों का परिश्रम, ईमानदारी, कठिन से कठिन लक्ष्य को पाने की इच्छा शक्ति तथा राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना सर्वत्र समाई हुई है। चुनौतियों से टकराने का नाम है राजस्थान। उन्होंने उद्योगपतियों से राजस्थान में निवेश करने का आग्रह किया।

इस समिट में 32 देश शामिल हैं जिनमें से 17 देश आयोजन के साझीदार बने हैं। पहले दिन मंच से 8.5 लाख करोड़ रुपयों के राजस्थान में निवेश की घोषणाएं हुई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल ने इस अवसर पर कहा कि समिट प्रारंभ होने से पूर्व ही प्रदेश सरकार ने 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के एमओयू कर लिए हैं। यदि ये निवेश धरातल पर उतरते हैं तो राजस्थान के हजारों युवाओं को रोजगार मिलने की साथ ही राज्य के विकास को तेज गति प्राप्त होगी। समिट में देश के कई बड़े उद्योगपति तथा 7 हजार डेलीगेट्स पहुँचे हैं।

# राजस्थान के प्रबुद्धजनों ने बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न के विरोध में संयुक्त राष्ट्र संघ को भेजा ज्ञापन

विविध क्षेत्रों से संबंधित राजस्थान के 50 प्रबुद्धजनों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजते हुए मांग की है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों तथा मानवाधिकार उल्लंघन को रोका जाए। इस हेतु उन्होंने अपना ज्ञापन राजस्थान के राज्यपाल को सौंपा। ज्ञापन में बांग्लादेश में हो रही नियोजित हिंसा रोकने, उनके मानवाधिकार की रक्षा करने, वहां शांति सेना भेजने, पीड़ित हिंदुओं का पुनर्वास करने तथा क्षतिपूर्ति देने की मांग की गई है।

ज्ञापन देने वालों में उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश एनके जैन, न्यायाधीश प्रशांत अग्रवाल (से.नि.), सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी कर्नल देवानंद लोमरोड, ले. कर्नल महावीर सैनी (से.नि.), नौसेना अधिकारी कमांडर प्रियंका चौधरी (से.नि.), पूर्व कुलपति मोहनलाल छीपा, राज.अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसबीर सिंह, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कन्हैया लाल बेरवाल, डॉ. रमेश अग्रवाल, बैंक अधिकारी श्याम मनोहर (से.नि.) शामिल थे।

# लव जिहाद के मामले में नहीं करें पैरवी कोई भी वकील

पिछले दिनों भरतपुर में घटी एक लव जिहाद की घटना से आहत हिंदू समाज ने स्थानीय बार एसोसिएशन से मांग की है कि कोई भी वकील आरोपी की पैरवी न करें।

बताया जाता है कि रेयान नामक एक मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू नाम से एक युवती से दोस्ती करने के बाद फर्जी अश्लील तस्वीरों द्वारा ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी रूपाराम ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मुस्लिम युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था जिसे न्यायालय ने न्यायिक हिरासत में जेल भिजवा दिया है। इसी बीच बजरंग दल संयोजक शुभम सैंथरा ने कहा कि देश में लव जिहाद के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए संगठन ने आमजनों के साथ मिलकर सभी वकीलों से आग्रह किया है कि इस प्रकार के मामलों में आरोपियों की किसी भी प्रकार की पैरवी न की जाए।



Scanned with OKEN Scanner

## के-4 बैलिस्टिक मिसाइल : भारत की परमाणु क्षमता हुई मजबूत

बीती 27 नवम्बर को भारत ने अपनी परमाणु सैन्य क्षमता में वृद्धि करते हुए के-4 सबमरीन बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। के-4 मिसाइल 3500 किलोमीटर की रेंज तक लक्ष्य को निशाना बना सकती है। इसकी संकल्पना, डिजायन व निर्माण भारतीय वैज्ञानिकों , उद्योगों व नौसेनाकर्मियों द्वारा किया गया है।

## रसूलाबाद घाट अब चन्द्रशेखर आजाद घाट होगा

पिछले 33 वर्षों से लंबित प्रयागराज (उत्तरप्रदेश) स्थित रसूलाबाद घाट अब चन्द्रशेखर आजाद घाट के नाम से जाना जायेगा। गंगा नदी किनारे स्थित इस घाट पर प्रतिदिन सैंकड़ों शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है। यहीं पर क्रांतिकारी आजाद का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

## भारतवंशी काश पटेल बने एफबीआई प्रमुख

गुजराती मूल के कश्यप 'काश' पटेल को अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) का चीफ (प्रमुख) चुना गया है। यह गौरव प्राप्त करने वाले वह पहले भारतीय हैं। पटेल की नियुक्ति 10 साल के लिए होगी। पटेल अच्छे अधिवक्ता होने के साथ-साथ पेशेवर जांचकर्ता भी हैं। एफबीआई भारत की सीबीआई जैसी जांच एजेंसी है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इससे पहले भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गर्वमेंट एफिशिएंसी में सह प्रमुख व डॉ.जय भट्टाचार्य को हैल्थ डायरेक्टर बना चुके हैं।

## मालपुरा दंगा मामले में 8 दंगाइयों को उम्रकैद की सजा

टोंक के मालपुरा में 24 साल पहले सांप्रदायिक दंगा हुआ था। इस मामले में जयपुर की विशेष अदालत ने 8 दंगाइयों इस्लाम, मोहम्मद इशाक, अब्दुल रज्जाक, इरशाद, मो.जफर, साजिद अली, बिलाल अहमद और मोहम्मद हबीब को उम्रकैद की सजा दी है तथा साथ में जुर्माना लगाया है। सजा सुनाते हुए अदालत ने कहा कि धारदार हथियार से निर्ममता पूर्वक इस घटना को अंजाम दिया गया था, इस मामले में नरमी नहीं दिखाई जा सकती। इस घटना में स्थानीय ग्रामीण हरिराम और कैलाश माली की मौत हो गई थी। अदालत ने अभी दो मामलों में फैसला सुनाया है। शेष दो मामलों में अभी फैसला आना है। एक अन्य मुकदमे में पुख्ता सबूत न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण 5 आरोपी बरी कर दिए गए। मालपुरा में यह दंगा जुलाई 2000 में हुआ था। भारी तनाव के बीच मुस्लिम भीड़ ने कई जगहों पर हिन्दुओं को निशाना बनाया। महिलाओं से अभद्र व्यवहार किया गया। इस दौरान हुई हिंसा में अभी 17 अन्य लोगों पर कोर्ट में केस विचाराधीन है।

## भारतवंशी कृष दुनिया के सबसे बुद्धिमान लोगों में शामिल

10 वर्षीय भारतवंशी कृष अरोड़ा आईक्यू लेवल के लिए हुई प्रतिस्पर्द्धा में सर्वाधिक अंक प्राप्त विश्व के शीर्ष एक प्रतिशत लोगों में शामिल हो गए है जिन्हें सबसे अधिक बुद्धिमान कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन व स्टीफन हॉकिंग का आईक्यू लेबल 160 था, जबकि कृष का आईक्यू लेबल 162 पाया गया।

## निकाहनामा की भाषा को लेकर हाईकोर्ट ने दिया निर्देश

राजस्थान हाईकोर्ट ने उर्दू भाषा में जारी निकाहनामा को समझने के लिए उसे द्विभाषी (हिन्दी/अंग्रेजी) बनाने हेतु राज्य सरकार को विचार करने के लिए कहा है। निकाहनामा को विवाह के तथ्य की मौखिक दलील की पुष्टि में सबूत के रूप में लिखा जाता है। लेकिन जब प्रमाण पत्र की सामग्री सरकारी, सार्वजनिक व निजी संस्थान और अन्य स्थानों पर कर्मचारियों के समझ में नहीं आती है तो यह समस्या पैदा करता है। उलझन भरी स्थिति व जटिलताओं को देखते हुए यह सुझाव दिया गया है।

## सिंधु दर्शन यात्रा हेतु 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देगी सरकार

लेह-लद्दाख स्थित सिंधु दर्शन यात्रा पर जाने वाले पात्र यात्रियों को राजस्थान सरकार द्वारा 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। अगले वर्ष जून के मध्य यह यात्रा प्रस्तावित है। 12 दिवसीय यात्रा के दौरान लेह-लद्दाख में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। वर्ष 1997 में यात्रा का शुभारंभ हुआ था। इस यात्रा में भारतीय सिंधु सभा की महती भूमिका रहती है।

## कुंभ व रामलला दर्शन के लिए रेलवे की विशेष ट्रेन 24 जनवरी से

भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) राजस्थान के उदयपुर से विशेष ट्रेन चलाने वाली है जो 5 रात 6 दिन की ट्रिप के दौरान कुंभ त्रिवेणी संगम, काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में रामजन्मभूमि मंदिर समेत कई मंदिरों के दर्शन करायेगी। यह ट्रेन आगामी 24 जनवरी को उदयपुर से रवाना होकर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर होते हुए जायेगी। एसी तृतीय श्रेणी का किराया 28,340 रुपये तथा स्लीपर का किराया, 20,375 रुपये रखा गया है। टिकट बुकिंग के लिए www.irctctourism.com या मोबाइल नं. 9001094705 पर संपर्क किया जा सकता है।



Scanned with OKEN Scanner

चित्तौड़

पाथेय कण संस्थान के संरक्षक माणकचन्द जी द्वारा विशेषांक का विमोचन

बांरा

कात्यायनी महिला उत्थान समिति द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में विमोचन

महुआ खण्ड , दौसा

राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय, महुआ में विमोचन

श्रीमाधोपुर

आदर्श विद्या मंदिर में जीडीएमएल महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा विमोचन

मनिया, धौलपुर

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मनिया में विमोचन

**उत्तर जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है?** 1. परबतसर 2. चूरू 3. पोर्ट ब्लेयर 4. ब्राजील 5.संयुक्त प्रांत 6. नागपुर 7. प्रयागराज 8. बछेन्द्री पाल 9.देवघर (झारखण्ड) 10. सन 1919

## निवेदन

पाथेय कण के महिला सम्मान एवं सुरक्षा विशेषांक को मातृशक्ति तक पहुंचाने की दृष्टि से राजस्थान के अनेक स्थानों पर विमोचन कार्यक्रम हुए हैं। कुछ स्थानों के चित्र व विवरण इस अंक में दिए गए हैं।

इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी यदि विमोचन कार्यक्रम हुए हैं तो उनका एक चित्र व विवरण पाथेय कण को मेल (patheykan@gmail.com) पर भिजवायें। यदि यह संभव न हो तो चित्र और विवरण व्हाट्सएप नम्बर 7976582011 पर भिजवायें। आगे के अंकों में प्रकाशित करने का प्रयास किया जाएगा। - संपादक

## आगामी पक्ष के विशेष अवसर
### ( 1 से 15 जनवरी, 2025)
### ( पौष शुक्ल 2 से माघ कृष्ण 2 तक )

*जन्म दिवस*

**3 जनवरी** (1760) - वीर कट्टबोम्मन
**3 जनवरी** (1831) - सावित्री बाई फुले
**पौष शु. 7 (6 जन.)**-10वें गुरु गोविंद सिंह
**12 जनवरी** (1863) - स्वामी विवेकानन्द
**पौष पूर्णिमा** (13 जन.)- माता जीजाबाई
**15 जनवरी** (1911)- स्वतंत्रता सेनानी वीरेन्द्र वीर

*बलिदान दिवस / पुण्यतिथि*

4 जन.(1970)-बांध बनाने वाले हरिबाबा पुण्यतिथि
7 जन.(2001)-श्री लक्ष्मणश्रीकृष्ण भिड़े पुण्यतिथि
11 जन.(1966)-लालबहादुर शास्त्री पुण्यतिथि
11 जन.(1915)- सरदार सेवा सिंह का बलिदान
14 जन.- चालीस मुक्तों का बलिदान (मकर संक्रांति)

*महत्वपूर्ण घटनाएं / अवसर*

**7 जनवरी** (1026) - सोमनाथ मंदिर का ध्वंस

*सांस्कृतिक पर्व*

**13 जनवरी** - लोहड़ी
**14 जनवरी** - मकर संक्रांति, माघ बिहू

## पंचांग- पौष (कृष्ण पक्ष)
### 16 से 30 दिसम्बर, 2024 तक

**चतुर्थी व्रत**- 18 दिसम्बर, **कालाष्टमी**-22 दिसम्बर, **सफला एकादशी व्रत**-26 दिसम्बर, **शनि प्रदोष व्रत**-28 दिसम्बर, **देवपितृकार्य अमावस्या**-30 दिसम्बर

**चन्द्रमा :** 16-17 दिसम्बर को **मिथुन** राशि में, 18-19 दिसम्बर को स्वराशि **कर्क** में, 20 से 22 दिसम्बर **सिंह** राशि में, 23-24 दिसम्बर को **कन्या** राशि में, 25 से 27 दिसम्बर को **तुला** राशि में, 28-29 दिसम्बर **वृश्चिक** राशि में तथा 30 दिसम्बर को **धनु** राशि में गोचर करेंगे।

**ग्रह स्थिति :** पौष कृष्ण पक्ष **वक्री गुरु** व **शनि** यथावत क्रमशः वृष व कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** व **केतु** भी पूर्ववत मीन व कन्या राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य** व **बुध** यथावत क्रमशः धनु व वृश्चिक राशि में स्थित रहेंगे। **मंगल** भी यथावत कर्क राशि में स्थित रहेंगे। **शुक्र** 29 दिसम्बर को 11:40 बजे मकर से कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे।



Scanned with OKEN Scanner

## दक्षिण की काशी कांचीपुरम

भारत में कांचीपुरम, जिसे हजार मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है, देश के पवित्र शहरों में से एक है। यह नगर अपनी बेजोड़ वास्तुकला, धार्मिक महत्त्व, समृद्ध इतिहास और पुरातात्त्विक महत्व के कारण विश्वविख्यात रहा है। कांचीपुरम को दक्षिण की काशी भी कही जाती है। कैलाश नाथ मंदिर यहां के सबसे प्राचीन और दक्षिण भारत के शानदार मंदिरों में से एक है। यह भगवान शिव को समर्पित है। देवी पार्वती को समर्पित यहां का कामाक्षी मंदिर तीर्थ स्थल के रूप में पूजा जाता है।

कांची नगर की गणना मोक्षदायिनी सप्तपुरियों में की जाती है। कांचीपुरम रेशम बुनाई व हथकरघा उद्योग का केन्द्र भी है। यहां की रेशम से बनी विशेष शैली की 'कांजीवरम्' की साड़ी विश्वविख्यात है। यह नगर प्राचीन काल में चोल और पल्लव साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। पलार नदी के किनारे स्थित यह नगर शताब्दियों तक धार्मिक शिक्षा का प्रमुख केन्द्र रहा है। वर्तमान में कांचीपुरम तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के निकट स्थित है।

## घरेलू नुस्खा

हल्दी एवं सेंधा नमक महीन पीसकर, उसे शुद्ध सरसों के तेल में मिलाकर सुबह-शाम मंजन करने से दांत दर्द में आराम मिलता है।

## आओ संस्कृत सीखें-48

- नये वर्ष की शुभकामनाएं।

**नववर्षस्य शुभाशयाः।**

## दिवस

| | |
|---|---|
| **9 जनवरी** | – प्रवासी भारतीय दिवस |
| **10 जनवरी** | – विश्व हिन्दी दिवस |
| **12 जनवरी** | – राष्ट्रीय युवा दिवस |
| **14 जनवरी** | – थल सेवा दिवस |

## इंटरनेट की लत से घट रही है मेमोरी

मेंटल हेल्थ की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट की लत वालों में मस्तिष्क के उस हिस्से की सक्रियता में कमी पाई गई है जो मेमोरी और डिसीजन मेकिंग (निर्णय लेने की क्षमता) के लिए जिम्मेदार होता है। इससे याद रखने की क्षमता कम होती है और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। रिसर्च पेपर की लेखिका आईरीन ली कहती हैं, 'इंटरनेट के काफी फायदे हैं, लेकिन जब यह दैनिक दिनचर्या को प्रभावित करने लगता है, तब समस्या बन जाता है। युवा इंटरनेट के प्रभावों को जानें और इसके लिए समय सीमा तय करें।

## कुकिंग टिप्स

रसोईघर के फर्श और स्लैब से चीटियों को भगाने के लिए काम में लिए जाने वाले पानी में हल्दी और नमक मिलाकर पौंछा लगाएंगे तो बड़ी राहत मिलेगी।

## गीता- दर्शन

**शमो दमस्तपः शौचं क्षान्तिरार्जवमेव च।**
**ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यं ब्रह्मकर्म स्वभावजम्।।**
(18/42)

श्रीकृष्ण कहते हैं–मन को वश में करना, इन्द्रियों का दमन करना, धर्म पालन के लिए कष्ट सहना, बाहर-भीतर से शुद्ध रहना, दूसरों के अपराधों को क्षमा करना, मन, इन्द्रिय और शरीर को सरल रखना, वेद, शास्त्र, ईश्वर और परलोक आदि में श्रद्धा भाव रखना, वेद-शास्त्रों का अध्ययन-अध्यापन करना और परमात्मा के तत्त्व का अनुभव करना– ये सब विद्वानों के स्वाभाविक कर्म हैं।

## आकृति में वर्गों की संख्या ज्ञात करो

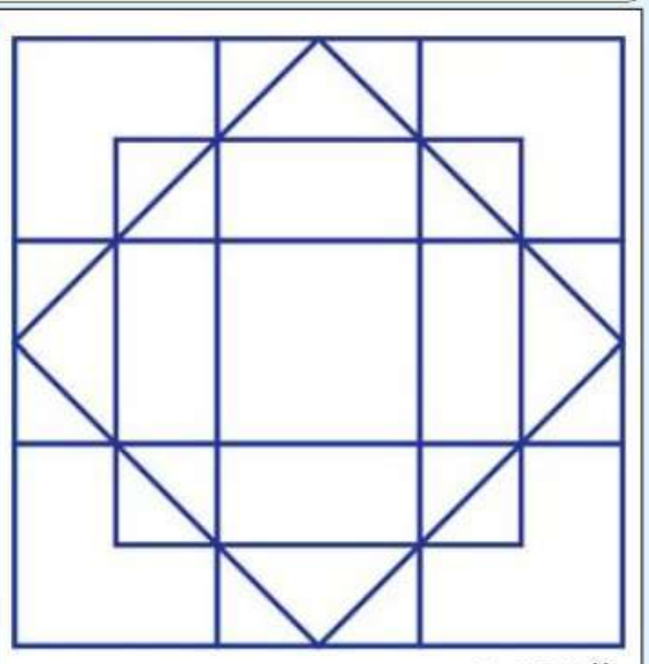

उत्तर पृष्ठ 24 पर

## जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइए। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें- **सामान्य**- यदि आप 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** - यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम**- यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. लोकदेवता तेजाजी की स्मृति में राजस्थान के किस स्थान पर पशु मेला भरता है?
2. सालासर बालाजी का मंदिर राजस्थान के किसे जिले में स्थित है?
3. किस शहर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम रखने की घोषणा की गई है?
4. जी-20 शिखर सम्मेलन 2024 की मेजबानी किस देश ने की थी?
5. स्वाधीनता से पहले उत्तर प्रदेश राज्य का नाम क्या था?
6. बाबा साहेब अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां स्थित है?
7. जनवरी 2025 में किस स्थान पर महाकुंभ आयोजित हो रहा है?
8. माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?
9. बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग भारत के किस राज्य में स्थित है?
10. राजस्थान सेवा संघ की स्थापना कब हुई थी?

*उत्तर इसी अंक में...*



Scanned with OKEN Scanner

## कथा — सार्थक परिचर्चा

विद्यालय में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया था। विषय था- 'जीवों पर दया एवं प्राणी मात्र की सेवा।' परिचर्चा प्रारंभ हुई। एक छात्र ने कहा कि हम दूसरों की सेवा तभी कर सकते हैं जब हमारे पास इसके लिए पर्याप्त संसाधन हों। कुछ छात्रों का कहना था कि सेवा के लिए संसाधन होना जरूरी नहीं है, भाव होना चाहिए। सभी प्रतिभागियों ने बारी-बारी से अपनी-अपनी बात रखी।

पुरस्कार देने का समय आया तो ऐसे छात्र को पुरस्कार के लिए चुना गया, जो मंच पर बोलने तक नहीं आया था। यह देख सभी छात्रों को गुस्सा आ गया। तभी शिक्षक ने सभी को शांत करते हुए कहा, 'आपको शिकायत है कि मैंने ऐसे छात्र को क्यों चुना, जिसने प्रतियोगिता में भाग ही नहीं लिया। मैं जानना चाहता था कि छात्रों में सेवा को सबसे अच्छे से कौन समझता है। इसलिए मैंने एक घायल कुत्ते को विद्यालय के प्रवेश द्वार पर रख दिया था। आप सभी एक ही दरवाजे से अंदर आए लेकिन किसी ने भी उस कुत्ते की ओर ध्यान नहीं दिया। यह अकेला प्रतिभागी था, जिसने वहां रुककर उस घायल कुत्ते का उपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ आया।

सेवा- सहायता परिचर्चा का नहीं अपितु भाव और कर्म का विषय है। यही वास्तव में जीवन जीने की कला है।

## वाद्य यंत्रों के नाम खोजिए

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इ | क | ता | रा | व | ण | ह | त्था |
| प | र | चं | जी | बू | मं | ट | मा |
| ढो | ता | ग | मं | सि | तं | जी | ल |
| अ | ल | गो | जा | ता | था | श्री | रा |
| ड | ता | क | मृ | र | ली | री | सा |
| फ | ड़ | घ | न | दं | सु | बां | रं |
| शं | ख | ड़ा | ग | बां | ग | त | गी |

इकतारा, डफ, चंग, तम्बूरा, सितार, करताल, ढोल, शंख, खड़ताल, रावणहत्था, मंजीरा, मृदंग, अलगोजा, थाली, बांसुरी, सारंगी, घड़ा

## बाल प्रश्नोत्तरी - 67

जीतें पुरस्कार अब दूसरी और तीसरी बार भी

बाल मित्रों, 1 अक्टूबर का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें। अपने उत्तर 'उत्तर शीट' में भरकर 7976582011 पर वॉट्सएप करें। प्रथम 10 को प्रमाण-पत्र तथा प्रथम 5 को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में 6 से 17 वर्ष तक के बाल-किशोर ही भाग ले सकते हैं। लगातार 5 बार उत्तर सही पाए जाने पर विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। उत्तर भेजने की अंतिम तिथि - **05 जनवरी , 2024**

**1. लोकनृत्य-नाट्य 'गवरी' का मंचन कितने दिन तक चलता है?**
(क) 40 दिन (ख) 20 दिन (ग) 25 दिन (घ) 30 दिन

**2. 'भारत, अमेरिका व जापान के अलावा 'क्वाड' में शामिल चौथा राष्ट्र कौन सा है?**
(क) आस्ट्रेलिया (ख) जर्मनी (ग) इंग्लैण्ड (घ) चीन

**3. 45वें शतरंज ऑलिम्पियाड का आयोजन किस देश में किया गया था?**
(क) लेसोथो (ख) हंगरी (ग) नामीबिया (घ) पापुआ

**4. प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर भारत के किस राज्य में स्थित है?**
(क) आंध्र प्रदेश (ख) उड़ीसा (ग) मध्य प्रदेश (घ) गुजरात

**5. किस देश ने नमाज के समय पूजा-पाठ व भजन सुनने पर प्रतिबंध लगाया है?**
(क) म्यांमार (ख) पाकिस्तान (ग) बांग्लादेश (घ) श्रीलंका

**6. 'क्रांतिकारी डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार' पुस्तक के लेखक कौन हैं?**
(क)विजय कुमार (ख) विजय शाह (ग) विजय भाटिया (घ)विजय नाहर

**7. माता-सीता ने किस महर्षि के आश्रम में लव-कुश को जन्म दिया?**
(क) वाल्मीकि (ख) विश्वामित्र (ग) भारद्वाज (घ) वशिष्ठ

**8. संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस कब मनाया जाता है?**
(क) 24 अक्टूबर(ख) 20 अक्टूबर (ग) 25 अक्टूबर (घ) 23 अक्टूबर

**9. माता कात्यायनी ने विजयादशमी को किस राक्षस का वध किया था?**
(क) रक्तबीज (ख)धुम्रलोचन (ग) महिषासुर (घ) चण्ड-मुण्ड

**10. सीकर की नट व स्वामी बस्ती का जीवन संवारने वाली संस्था कौन सी है?**
(क) संस्कार भारती (ख) आरोग्य भारती (ग) लघुउद्योग भारती (घ) सेवा भारती

## सही रास्ता खोजिए

## बाल प्रश्नोत्तरी-65 के परिणाम

हेमाद्री लीला मानव नोही अर्चना

1. हेमाद्री भड़ाना, कोटपूतली, बहरोड़
2. लीला जाखड़, सनावड़ा, बाड़मेर
3. मानव जेठवानी, कुरैशी मोहल्ला, पाली
4. नोही बंसल, नया बाजार, अजमेर
5. अर्चना सिंवर, सरदारशहर,चूरू
6. केशव व्यास, डिग्गी मालपुरा, टोंक
7. दिवाकर चौधरी, कनक वाटिका, सवाईमाधोपुर
8. कृष्णा उपाध्याय, कोलायत, बीकानेर
9. सुनील गोदारा, नोखा, बीकानेर
10. एंजल रावत, आदर्श नगर, अजमेर

सही उत्तर
1. (क) 2. (घ) 3. (ग) 4. (क) 5. (ख) 6. (ग) 7. (घ) 8. (क) 9. (क) 10.(ख)

निम्नांकित उत्तर शीट भरकर इसी की फोटो वॉट्सएप करें। ( बाल प्रश्नोत्तरी - 67)
(अपनी पासपोर्ट फोटो अवश्य वॉट्सएप करें)

1.( ) 2.( )3.( )4.( ) 5.( )6. ( )7.( )8.( ) 9.( )10.( )

नाम..........................................कक्षा..........पिता का नाम..............................

उम्र........... पूर्ण पता..................................................................................

......................पिन..................मोबाइल...................................................



Scanned with OKEN Scanner

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

# कृषक कल्याण को समर्पित सरकार

## गेहूं का सही दाम, किसानों का सम्मान

- समर्थन मूल्य ₹2275 + ₹125 बोनस = ₹2400 प्रति क्विंटल
- 1 लाख किसानों को ₹150 करोड़ का बोनस भुगतान

## गोपालक को सहारा, ब्याज रहित ऋण हमारा

राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत-
- गोपालक परिवारों को ₹1 लाख तक का ऋण
- समय पर भुगतान करने पर ब्याज माफ

## मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

- ₹2000 प्रति वर्ष की सहायता
- 65 लाख किसानों को ₹650 करोड़ की पहली किस्त जारी
- 3 किस्तों में होगा राशि का ऑनलाइन ट्रांसफर

## पशुधन की रक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास

- मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा
- बीमार पशुओं के लिए 1962 हेल्पलाइन और मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा
- पंजीकृत गौशालाओं में पशुओं के लिए अनुदान में 10% की वृद्धि
- 724 पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति दी गई

## किसानों के साथ हर कदम पर

- 33.88 लाख महिला कृषकों को विभिन्न फसलों के निःशुल्क बीज मिनिकिट वितरित
- 8,774 पीएम किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित
- 918 प्याज भण्डार गृहों की स्थापना
- 85,593 किसानों को कृषि कनेक्शन जारी
- किसानों को बिजली के बिलों में राशि ₹20,505 करोड़ का अनुदान
- तारबंदी-14,400 कि.मी, अनुदान राशि-₹150 करोड़
- फार्म पोण्ड-13,400, अनुदान राशि-₹93 करोड़
- डिग्गी-3210, अनुदान राशि-₹83 करोड़
- सोलर पम्प सेट-25,900, अनुदान राशि-₹402 करोड़
- कृषि यंत्र-56,510, अनुदान राशि-₹139.50 करोड़
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 65 लाख पॉलिसी धारक किसानों को ₹2094 करोड़ का बीमा क्लेम

**समृद्ध किसान खुशहाल राजस्थान**

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान



Scanned with OKEN Scanner

स्वराज्य संस्थापक

# छत्रपति शिवाजी

21

आलेख एवं चित्र
ब्रजराज राजावत

अफजल खां की सेना दूर घने जंगल में पड़ाव डाले हुए थी... भेंट स्थल पर उसके दस सैनिक शामियाने से दूर चौकन्न खड़े हुए थे। शिवाजी के सैनिक पहाड़ों पर चारों तरफ छुपे हुए थे। अफजल खां के कपटपूर्ण निर्दयी चरित्र से शिवाजी परिचित थे।

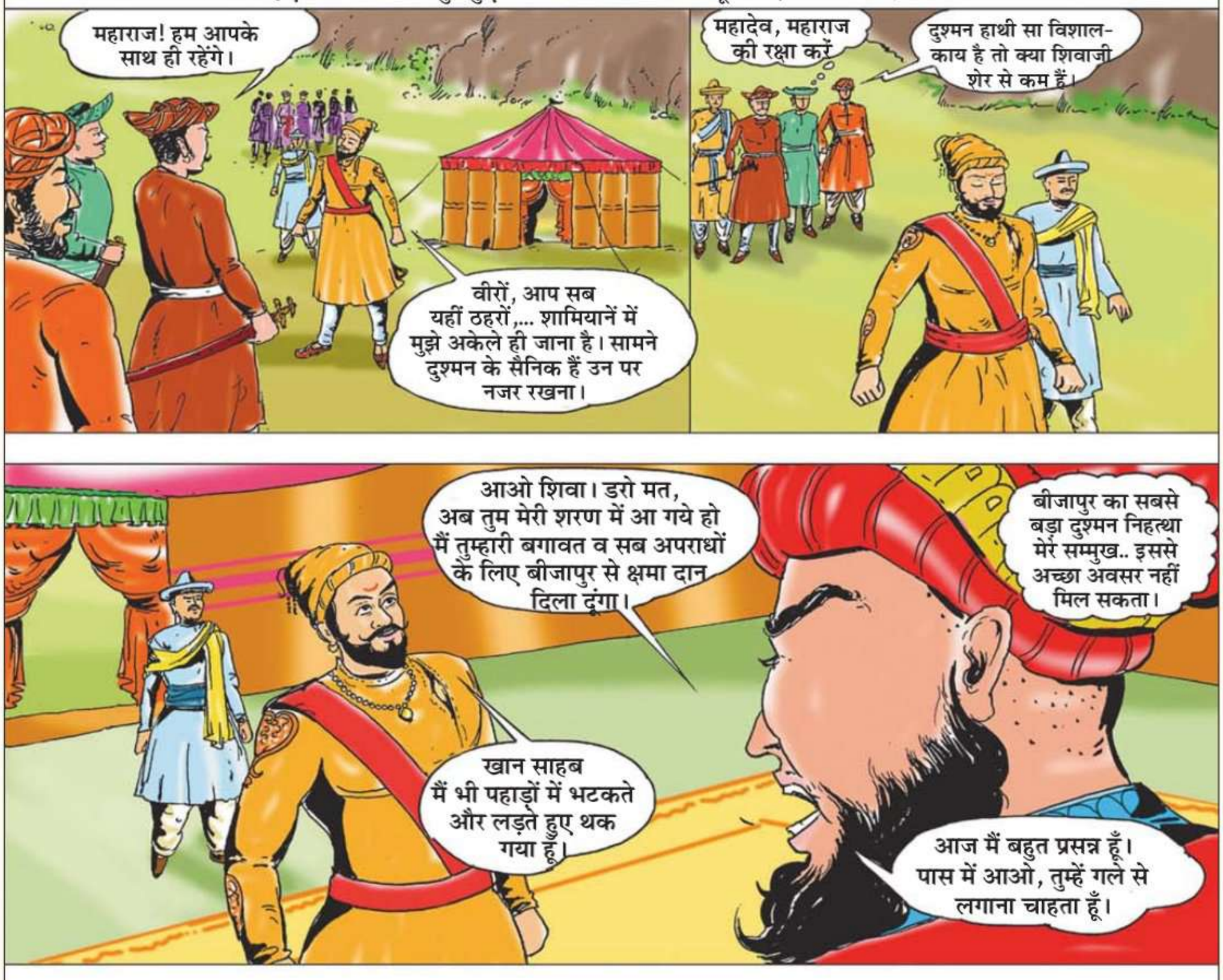

पाक्षिक
पाथेय कण
16-31 दिसम्बर, 2024
(10 दिसम्बर को प्रकाशित, पृष्ठ 20)

आर.एन.आई पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY 202/2024-26

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/WPP 01/2024-26

Springboard ACADEMY
AN INSTITUTE FOR IAS & RAS

We Bring The Best Out Of You

The Mentors who will take you to success

Sunil Punia Sir | Narendra sir | Rajveer sir | Dileep Mahecha Director | Vijay Singh Shekhawat sir | Lakshita Khangarot Mam | Vijay sir

IAS/ RAS में नियमित सर्वश्रेष्ठ परिणाम स्प्रिंगबोर्ड की उत्कृष्टता का प्रमाण है।

RAS | PSI

FOUNDATION | BATCH

Online & Offline
सेमिनार
RAS 2021 में चयनित अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन

16 दिसम्बर
सोमवार
@ 10:15 AM

17 दिसम्बर से बैच प्रारम्भ
(Online & Offline)
Direct Live from Classroom

"Give a Strong Boost to your IAS/ RAS Preparation under the Guidance of Best Team in Rajasthan"
प्रशासनिक सेवा की तैयारी हेतु कोचिंग संस्थान के चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। परंतु प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। स्प्रिंगबोर्ड अकादमी का परिणाम ही उसकी पहचान है। अतएव अभ्यर्थी बिना किसी आशंका के "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" का चयन करता है। विगत भर्तियों के परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं। अधिकांश चयन "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" से जुड़े हुए अभ्यर्थियों का हुआ है। पूरा राजस्थान IAS/ RAS हेतु प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष रूप से "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" के नोट्स उपयोग में लेता है जो इस परीक्षा हेतु अकादमी के नोट्स की सटीकता दर्शाता है।

स्प्रिंगबोर्ड अकादमी के निदेशक "दिलीप महेचा" के अनुसार व्यक्ति को उसके जीवन में एक बार तो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए क्योंकि यह तैयारी उसके व्यक्तित्व विकास में बहुत सहायक सिद्ध होती है। स्प्रिंगबोर्ड इस तैयारी में अभ्यर्थी को पारिवारिक माहौल प्रदान कर जीवन के उच्चतम आयामों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करता है। यहां की अनुभवी शिक्षकों की टीम, सहायक स्टाफ छात्रों की सहायतार्थ सदैव उपस्थित है। विगत वर्षों में सिविल सेवा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने की वजह यहां की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा आधारित साप्ताहिक टेस्ट सीरीज, टॉपर्स से लगातार मोटिवेशनल कक्षाएं, प्रतिदिन उत्तर- लेखन अभ्यास व सही मार्गदर्शन है।

- IAS/ RAS में राज्य का सर्वश्रेष्ठ परिणाम।
- अनुभवी शिक्षकों की समर्पित टीम।
- शिक्षकों से नियमित संवाद व समस्या समाधान।
- चयनित छात्रों द्वारा मार्गदर्शन व नियमित उत्तर लेखन अभ्यास।
- मानक पुस्तकों का समावेशन कर सारगर्भित हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम में पाठ्य सामग्री।
- प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा आधारित साप्ताहिक टेस्ट सीरीज व मूल्यांकन।
- समसामयिकी हेतु मासिक पत्रिका व नियमित कक्षाएं।
- अंतर विषयक समझ विकसित करने का प्रयास।
- वातानुकूलित व तकनीकी सुविधायुक्त क्लासरूम व निःशुल्क वाहन सुविधा।

Riddhi - Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur
9636977490, 0141-3555948

ऐप डाउनलोड करने के लिए
QR Code स्कैन करें
GET IT ON Google Play

Connect with us- Springboard Academy Online | Springboard Academy Jaipur

स्प्रिंगबोर्ड एकेडमी के IAS, RAS हेतु प्रमाणित क्लास नोट्स उपलब्ध The Notes Hub 7610010054, 7300134518

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक माणकचन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी, ए-10, 22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालय : पाथेय भवन, 4 मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
**सम्पादक- रामस्वरूप अग्रवाल**
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19 व 20 दिसम्बर, 2024 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,
_____
_____
_____

Scanned with OKEN Scanner